



## सुपर स्टार -18

“मेरा तो डर के मारे गला सूखने को हो आया था। मैं हाथ छुड़ा कर उठते हुए बोला- जी मैं वो कोशिश करूँगा.. मैं उठ कर केबिन से बाहर भाग आया। कट.. परफेक्ट शॉट.. मैं जब अपनी वैन के पास पहुँचा तो देखा.. तृषा और निशा दोनों ही मुझे देख देख कर हँसे जा रही हैं। ...”

Story By: (shakti-kapoor)

Posted: Friday, June 19th, 2015

Categories: [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [सुपर स्टार -18](#)

## सुपर स्टार -18

लाइट... कैमरा... एक्शन !

मैं अपने एक बेडरूम का फ्लैट का दरवाज़ा खोलता हूँ। मैं अब तक उसकी यादों में उदास था। चाभियाँ वहीं टेबल पर फेंक कर मैं बिस्तर पर लगभग गिरते हुए लेट जाता हूँ और मेरी आँख लग जाती है।

डायरेक्टर की आवाज़, 'सीन चेंज.. लाइट.. एक्शन'

तभी एक अलार्म की आवाज़ से मैं जागता हूँ। वैसे ही उदास सा मैं वाशरूम में जा कर अपने चेहरे पर पानी की छींटें मारता हूँ और जब मैं शीशे में अपने चेहरे को देखता हूँ तो पानी की बूंदों के साथ बहते मेरे आंसू मुझे दिख जाते हैं। इन आंसुओं को देख कर मुझे गुस्सा आने लगता है और मैं वहीं ज़मीन पर गिर जाता हूँ।

कट ..कट.. एक और टेक लो। लगभग दस टेक के बाद ये सीन पूरा हो पाया। सीन फिर से आगे बढ़ता है।

मैं अब उठा तो जैसे किसी नींद से जागा हूँ। मैंने अंगड़ाई ली और तैयार हो कर ऑफिस के लिए निकल गया।

यहाँ पूजा के पब्लिशिंग हाउस में मैं एक लेखक था।

डायरेक्टर- सीन चेंज .. लाइट.. कैमरा... एक्शन

मैं ऑफिस के अन्दर था। सबको 'गुड मॉर्निंग' बोलता हुआ मैं अपने केबिन में चला गया..

तभी ऑफिस की एक लड़की मुझे आकर कहती है- सर पूजा मैडम आपको बुला रही हैं।

इस नाम को सुनते ही मेरे चेहरे पर डर के भाव आ गए। मुझे थोड़ी देर पहले की बात याद आ रही थी। मैं यँ ही डरता हुआ पूजा के कमरे में दाखिल हुआ।

पूजा- हमारी कब से दर पे आँखें लगी थीं.. हुजूर आते-आते बहुत देर कर दी।  
उसने मिनी स्कर्ट पहनी थी.. वो एक कुर्सी ले मेरे सामने बैठ गई। एक मादक अंगड़ाई लेते हुए उसने सिगरेट सुलगाई और उसका धुआं मुझ पर छोड़ते हुए बोली।

पूजा- किताबें ही लिखोगे या हमारी कहानी आगे बढ़ेगी ?

मैं- ज..जी... कौन सी कहानी ?

पूजा ने मेरे हाथ पकड़ कर अपने गालों पर सहलाते हुए कहा- अरे मेरे भोले सनम.. हमारी कहानी... इस हुस्न की बेचैनी की कहानी.. जो बस तुम्हारे प्यार की एक बूंद पाने को तड़प रही है।

मेरा तो डर के मारे गला सूखने को हो आया था।

मैं हाथ छुड़ा कर उठते हुए बोला- जी मैं वो कोशिश करूँगा..

मैं उठ कर केबिन से बाहर भाग आया।

कट.. परफेक्ट शॉट..

मैं जब अपनी वैन के पास पहुँचा तो देखा.. तृषा और निशा दोनों ही मुझे देख देख कर हँसे जा रही हैं।

मैं- क्या हो गया है तुम दोनों को ?

तृषा- पूजा मैडम तुम्हें ढूँढ रही हैं।

मैं- वो एक्टिंग थी.. वरना मैं किसी से नहीं डरता ।

तृषा- अच्छा जी.. तो वो जो थोड़ी देर पहले वैन में हो रहा था.. तब भी डर नहीं लगा था क्या ?

मैं- तुम्हें कैसे पता ?

निशा- मैंने और तृषा ने ही ज़न्नत को वो सब करने भेजा था.. ताकि तुम्हारी एक्टिंग निखर कर सामने आए ।

मैं- अभी बताता हूँ तुम दोनों को..

उस पूरे सैट पर मैं उन दोनों को भगाने लगा और पूरे सैट पर सब लोग हंस-हंस कर लोट-पोट हो रहे थे ।

हमारी आज की शूटिंग खत्म हो चुकी थी । सो अब वापस घर जाने का वक़्त था । मैं तृषा की कार में बैठ गया और तृषा ड्राइव करने लग गई ।

तृषा- तुम्हें ड्राइव करना नहीं आता है ?

मैं- आता है ।

तृषा- तो फिर ड्राइव क्यों नहीं करते हो ?

मैं- वो मेरे दोनों हाथ फ्री रहते हैं न..

यह कहते हुए मैं उसके गालों को सहलाने लगा ।

तृषा- छोड़ो भी... क्या कर रहे हो ?

मैं- मतलब और पास आने को कह रही हो.. ठीक है.. कहते हुए उसे बांहों में भरने लगा ।

तृषा- छोड़ो मुझे.. नहीं तो गाड़ी कहीं ठोक दूँगी ।

अब मुझे उसे छोड़ना पड़ा । वैसे भी सड़क पर भीड़ थोड़ी ज्यादा थी और साथ में फिल्म

स्टार भी बैठी थी। मुझे तो कोई अब तक नहीं जानता था.. पर उसकी खबरें अब अक्सर सुर्खियों में रहने लगी थीं तो मैंने अलग बैठना ही ठीक समझा।

मैं- जानेमन.. आज पीने का मन हो रहा है।

तृषा- ठीक है। यही पास एक रेस्ट्रोबार है। हम वहीं चलते हैं।

मैं- मैं तो तुम्हारी निगाहों के जाम की बात कर रहा था और तुम यह समझ बैठी। खैर.. अब इतना कह रही हो तो मैं पी लूँगा।

तृषा ने मेरे कान खींचते हुए कहा- तो मैं फ़ोर्स कर रही हूँ जनाब को.. ठीक है नहीं जाते हैं। अरे याद आया आज तो एक सेलेब्रिटी पार्टी है।

उसने अपनी घड़ी देखते हुए कहा- पार्टी शुरू हो चुकी होगी और हमें ट्रैफिक से निकल कर वहाँ पहुँचने में भी एक घंटा लग ही जाएगा। तो क्या कहते हो ?

मैं- जहाँ तुम, वहाँ मैं।

तृषा- सो.. स्वीट।

लगभग एक घंटे में हम खंडाला के फार्म हाउस पर पहुँचे। बाहर पत्रकारों की पूरी फ़ौज खड़ी थी। एक से बढ़कर एक गाड़ियाँ लगती जा रही थीं और हर बार जब कोई बड़ा सेलेब्रिटी कार से उतर कर अन्दर जाता तो सब एक साथ चीखने लग जाते।

मेरे लिए ये सब जैसे एक नया अनुभव था। अब हमारी कार भी दरवाज़े तक आ चुकी थी।

तृषा का चेहरा यहाँ किसी के लिए भी अनजाना नहीं था तो वहाँ के एक स्टाफ ने तृषा से चाभी ली। तृषा ने मुझे साथ आने को कहा। मुझे अब तक डर ही लग रहा था।

सामने तृषा को बॉडीगार्ड्स ने घेरा हुआ था और तमाम पत्रकार उसकी तस्वीर के लिए कार पर गिर रहे थे.. जोर-जोर से चिल्ला रहे थे। फिर भी हिम्मत कर के मैं नीचे उतरा और बिना

किसी की ओर देखे तृषा के साथ हो लिया। सब चिल्ला-चिल्ला कर सवाल पूछ रहे थे और इतने शोर में तो अपने मन की आवाज़ तक सुन पाना मुमकिन नहीं था, उनके सवाल कहाँ समझ आते भला।

मैं तृषा के साथ अन्दर फार्म हाउस में दाखिल हुआ।

यह कमाल की जगह थी.. ऐसा लग रहा था मानो खुद स्वर्ग के कारीगर ने आ कर इसे सजाया हो। कम से कम मैंने तो ऐसी जगह पहले कभी नहीं देखी थी। यहाँ मुंबई के लगभग तमाम नामचीन चेहरे थे। मैं तो जैसे यहाँ खो गया था।

तृषा- तुम एन्जॉय करो.. मैं कुछ लोगों से मिल कर आती हूँ।

जब गर्लफ्रेंड इस तरह कहती है तो अगर कोई लड़का मस्ती कर भी रहा हो तो भी एक बार देखता ज़रूर है कि आखिर गई कहाँ..

मैंने भी उसकी नज़रों से बचते हुए उसे देखा, बॉलीवुड के एक बड़े सुपरस्टार का बेटा था। मैंने मन को समझाया कि बेटा अब छोटे शहरों वाली सोच छोड़ दे। यहाँ अक्सर ऐसा ही देखने को मिलेगा। पर अभी-अभी तो आया था यहाँ माहौल में ढलने में वक़्त लगेगा। वे दोनों काफी हंस-हंस कर बातें कर रहे थे और जितना वो उससे प्यार से बातें कर रही थी.. मुझे उतना ही गुस्सा आ रहा था।

आखिरकार मैं उन पर से नज़रें हटा शराब ढूँढने लग गया। यही वो चीज़ थी जो मुझे सुकून दे सकती थी।

पास में ही शराब का काउंटर लगा था। मैं वहाँ गया और जल्दी-जल्दी में जितनी शराब गले से उतर सकती थी उतारने लग गया। तभी किसी ने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा। मैंने पलट कर देखा तो वहाँ सुभाष जी थे।

मैं- कैसे हैं सुभाष जी.. ? आज आप शूटिंग पर नहीं आए थे..

सुभाष जी- मेरा काम स्टूडियो तक ही होता है। उससे बाहर के काम के लिए अलग से टीम है.. पर आज मैंने आपके काम की बड़ी तारीफ़ सुनी.. ऐसे ही काम करते रहो.. मंजिल ज़रूर मिलेगी।

मैं सुभाष जी से बातें करते हुए भी तृषा को ही देख रहा था और मेरी शराब पीने की रफ़्तार अब तक कम नहीं हुई थी।

सुभाष जी ने स्थिति को भांप लिया था, उन्होंने मेरे गिलास को मुझसे लेकर वहीं रख दिया और मुझे पार्क से फार्म हाउस की छत पर ले गए, वहाँ से हर कोई दिख रहा था। फिर उन्होंने मुझसे कहा- मैं तुमसे एक बात कहना चाहता हूँ। बड़ा एक्टर वही होता है जिसके जज़्बात कोई पढ़ ना सके। जिसे अपने दर्द में मुस्कुराना और मुस्कुराते हुए रोना आता हो। मैं तुम्हें यहाँ इसलिए लेकर आया हूँ कि तुम तसल्ली से इस भीड़ को देख सको। ये सब यहाँ किसी न किसी मुखौटे में हैं और यही इनकी शोहरत की वजह है। तुम भी कोई अच्छा सा मुखौटा डाल लो अपने चेहरे पर.. अच्छा रहेगा।

मैं उनके इशारे को समझ गया था। वो मुझे वहीं छोड़ वापस उसी भीड़ के साथ हो लिए। अब शराब भी अपना असर दिखाने लगी थी। तभी वहाँ हाथों में जाम लिए.. लगभग पैंतीस साल की एक महिला छत पर आई।

वो मेरे पास आ कर नशे में झूमते हुए बोली- आपको कभी देखा नहीं है मैंने..

मैं- मुझे तो खुद भी नहीं मालूम कि मैं किसी को दिखता भी हूँ या नहीं।

मैं अब तक तृषा को ही देख रहा था।

वो मेरी नज़रों को भांपते हुए बोली- आशिक लगते हो।

मैं- मुझे तो खुद नहीं पता कि मैं क्या हूँ.. लगता है कि हर शब्द के साथ बदलती तस्वीर हूँ मैं.. अब तो मुझे भी लगने लगा है कि मैं एक एक्टर ही हूँ..

वो मुझसे हाथ मिलाते हुए बोली- वैसे इस पार्टी की होस्ट मैं ही हूँ... आपसे मिलकर अच्छा लगा कि इस उबाऊ भीड़ से अलग कोई तो है यहाँ..

मैं- इस भीड़ को खुद से अलग लोगों की आदत नहीं है। सुना है यहाँ टिकने के लिए इसी भीड़ का हिस्सा बनना पड़ता है।

वो- बातें आप बहुत अच्छी कर लेते हो।

मैं- आपको मेरी बातें अच्छी लगती है और यहाँ कुछ लोग ऐसे भी हैं.. जो मेरी बातों से परेशान होकर इस दुनिया को अलविदा कह जाते हैं।

वो हंसते हुए बोली- मुझे ऐसी कोई खाहिश नहीं है.. मैं जाती हूँ और आपके हर सवाल के जवाब को आपके पास भेज देती हूँ।

अब मुझ पर शराब थोड़ी हावी हो गई थी और नीचे डीजे अपने पूरे शवाब पर आ चुका था। मैं लड़खड़ाता हुआ सीढ़ियों के पास पहुँचा और जैसे ही लड़खड़ाने लगा कि तृषा ने मुझे अपनी बांहों में थाम लिया।

कहानी पर आप सभी के विचार आमंत्रित हैं।

कहानी जारी है।

realkanishk@gmail.com



## Other stories you may be interested in

### चचेरे भाई ने मेरी चूत चोद दी

हैल्लो फ्रेंड्स, मेरा नाम रेखा है. मैं आप सबको अपनी कहानी बता रही हूँ. मुझे उम्मीद है कि आपको ये कहानी बहुत पसंद आएगी. हमारा परिवार मेरे चाचा के परिवार के साथ ही रहता था लेकिन बाद में दोनों परिवारों [...]

[Full Story >>>](#)

### चुम्बन करते ही वीर्यपात हो जाता है

मैं 22 साल का हूँ। मैं तब तक सेक्स नहीं करना चाहता जब तक मेरी शादी ना हो जाये। जब मैं अपनी गर्ल फ्रेंड के साथ एकान्त में होता हूँ तो हम सेक्स नहीं करते, अधिकतर सिर्फ चुम्बन करते हैं। चुम्बन [...]

[Full Story >>>](#)

### आंटी की चूत की चुदाई का मजा

दोस्तो, यह घटना मेरे साथ पहली बार हुई थी. मेरी ये पहली कहानी है आशा करता हूँ कि आप सबको पसंद आएगी. मेरा नाम वरुण है. मेरी उम्र अभी बाईस साल है. मैं अभी चेन्नई में रहता हूँ. मेरे घर [...]

[Full Story >>>](#)

### एक दिन की ड्राईवर बनी और सवारी से चुदी-1

मेरी पिछली कहानी वासना के वशीभूत पति से बेवफाई आपने पढ़ी होगी. अब नयी कहानी का मजा लें. सुबह दस बजे का वक्त था, सड़क पर बहुत ट्रैफिक थी। मैं बड़ी मुश्किल से ट्रैफिक में गाड़ी चला रही थी, कार [...]

[Full Story >>>](#)

### प्यार की शुरुआत या वासना-3

अभी तक मेरी मामी की सेक्स कहानी के दूसरे भाग में आपने पढ़ा कि कैसे मामी ने मेरा लंड पकड़ कर मेरी मुठ मारी. अब आगे : मामी 'बदतमीज कहीं का ...' बोल कर गुस्से में वहाँ से चली गई और [...]

[Full Story >>>](#)

